



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 726]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 4, 1993/अग्राहायण 13, 1913

No. 726] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 4, 1993/AGRAHAYANA 13, 1913

विधि, व्याप और कंपनी कार्य मंत्रालय
(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1993

का प्रा 931(प्र).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय न्यू हिमरम बिल्डिंग, कार्ट रोड, शिमला-171001 में है, के मूल उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और नीति तथा दक्षता और आर्थिक विस्तार तथा फाइबर बोर्ड शीटों/ब्रशों तथा उससे सम्बन्धित कार्यालयों के विनिर्माण में समन्वय सुनिश्चित करने के लिए उद्देश्य, वार्षिक और मासिक के अल्प साधनों का उपयोग सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए लोकहित में यह आवश्यक है कि हिमाचल प्रदेश स्टेट फोरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निर्गमित एक कंपनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय न्यू हिमरम बिल्डिंग, कार्ट रोड, शिमला-171001 में है और उक्त हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का हिमाचल प्रदेश स्टेट फोरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड को पूर्णतः स्वामित्वधीन समन्वयित है, को एक कंपनी में समाहित किया जाना चाहिए,

और प्रस्तावित आदेश के प्राव्य की एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों प्रधान हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश स्टेट फोरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड को आदेश, मुद्राव आमतौर पर दो समाचार पत्रों में उसके प्रकाशन के लिए भेजी गई थी;

और पूर्वोक्त कंपनियों के सम्मेलन की स्कीम 15 नवंबर, 1990 को दो समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी जिसमें आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे, और केन्द्रीय सरकार को सम्मेलन की स्कीम के संबंध में किसी व्यक्ति में कोई सुझाव या आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दोनों कंपनियों के सम्मेलन का उपबन्ध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है; अर्थात्:—

1. सजिप्त नाम इस आदेश का सजिप्त नाम हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश स्टेट फोरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड (समावेदन) आदेश, 1993 है।

2. परिभाषाएं—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रपक्षित न हो—

(क) "नियत दिन" से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में अधिगूचित किया जाता है;

(ख) "विधित कंपनी" से हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड अभिप्रेत है,

(ग) "परिणामों कंपनी" से हिमाचल प्रदेश स्टेट फोरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड अभिप्रेत है।

3. (क) अंश धारण स्वरूप जैसा तारीख 31 मार्च, 1990 को था:—

(i) हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड:—

अंश (शेयर) धारक का नाम साधारण अंशों (शेयरों) रकम (रुपयों में) की संख्या

हिमाचल प्रदेश सरकार और उसके नामनिर्देशित	150000 अंश (शेयर)	15,00,00,000
प्रत्येक 100 रु. का		

[कुल 150000 अंशों (शेयरों) में से 70000 साधारण अंश (शेयर) 1000 रुपए प्रति अंश (शेयर) की दर से पूर्णतः समावृत्त हैं और 80000 साधारण अंश (शेयर) 600 रुपए प्रति अंश (शेयर) की दर से भागतः समावृत्त हैं।]

(ii) हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड:—

अंश (शेयर) धारक का नाम साधारण अंशों (शेयरों) की संख्या रकम (रुपयों में)

हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट	2500 अंश (शेयर)	25,00,000
-----------------------------	-----------------	-----------

कार्पोरेशन लिमिटेड के पूर्णतः प्रत्येक 1000 रुपए सभी

स्वामित्वाधीन नियंत्रित कंपनी अंश (शेयर) पूर्णतः

और हिमाचल प्रदेश सरकार समावृत्त है।

की नामनिर्देशित कंपनी।

हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में प्रत्येक 1000 रुपए वाले पूर्णतः समावृत्त सभी 2500 साधारण अंशों (शेयरों) को जो अब मैसर्स हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, जिसके अंतर्गत हिमाचल प्रदेश सरकार के नामनिर्देशित भी हैं, के नाम में धारित है, रद्द कर दिया जाएगा।

क्योंकि हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड की समस्त अंश (शेयर) पुजी मैसर्स हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश सरकार के नामनिर्देशित के नाम में धारित है, परिणामी कंपनी से यह अपेक्षित नहीं होगी कि वह उन व्यक्तियों को, जिसके नाम नियत दिन के ठीक पहले विधित्त कंपनी के सदस्यों के रजिस्टर में अंकित है, कोई और सूचना भेजे।

4. कंपनी के समामेलन:

(i) नियत दिन से ही हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्रा. लिमिटेड का समस्त कारबार और उपक्रम जहाँ पर भी है जिसके अंतर्गत सभी संपत्तियाँ चाहे जंगम हो या स्थावर और अन्य आस्तियाँ चाहे वे किसी भी प्रकार की हों, जैसे मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियाँ, पट्टे भूधृति, अधिकार शायदों में विनिधान या अन्यथा व्यापार में स्टॉक, कर्मशाला, औजार, अभिवहन में माल, सभी प्रकार के घनों के अग्रिम, बहुखाता ऋण, बकाया धन, वसूलीय दावे, करार, औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियाँ और अनुज्ञातपत्र, आयत और अन्य अनुज्ञप्तियाँ, आशय-पत्र तथा सभी बंधकों और प्रसारों और प्राप्तामान प्रत्याभूतियों के अधीन रहते हुए प्रत्येक वर्ग के सभी अधिकार और शक्तियाँ और हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के सभी अधिकार, और कार्यवाही या विलेख के बिना प्रयुक्त विधि के अनुसार हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड को अंतरित और उसमें निहित हो जाएंगे और उसमें प्रसारित और निहित हुए सभी जायेंगे। इसमें इसके पूर्व निविष्ट सभी संपत्तियों के हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित हो जाने पर पूर्णतः समावृत्त और हिमाचल प्रदेश स्टेट फॉरेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश सरकार के नामनिर्देशित द्वारा धारित प्रत्येक 1000 रुपयों के सभी 2500 साधारण अंश (शेयर) रद्द हो जाएंगे।

(ii) लेखा के प्रयोजनों के लिए समामेलन, दोनों कंपनियों के 31 मार्च, 1990 को यथा विद्यमान संशोधित लेखाओं और गणनपत्र के प्रति निर्देश से प्रभावी होगा और उनके पश्चात् सम्भवहाराँ को एक सामान्य लेखा में दूर किया जाएगा। विधित्त कंपनी से किसी पश्चात्तर्ती तारीख की आगामी अन्तिम लेखा तैयार करने को श्रेष्ठ नहीं का जाएगा और परिणामी कंपनी 31 मार्च, 1990 को यथा विद्यमान गणन पत्र के अनुसार सभी आस्तियों और दायित्वों को प्रमाण करेगी और उनके पश्चात् के सभी सम्भवहाराँ के लिए पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण: "विधित्त कंपनी के उपक्रम" के अर्थों सभी अधिकार, शक्ति, अधिकार और विशेषाधिकार और सभी संपत्ति, जंगम या स्थावर अथवा अतर्गत नकद अतिशेष, 'मार्गनिधित्त', राजस्व अतिशेष, विनिधान आर ऐसी संपत्ति में या अपने उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और अधिकार, जो नियत दिन के ठीक पूर्व विधित्त कंपनी के हों, और अपने संबंधित सभी ऋणों, ऋणों और वस्तुवैज तथा विधित्त कंपनी के उस समय विनिधान सभी ऋण, दायित्व, कर्तव्य और व्यापारों चाहे वे किसे भी प्रकार को उस समय हों, प्रती है।

5. संपत्ति की कुछ सदों का नाम:—

इस आदेश के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित यथा विद्यमान विधित्त कंपनी के सभी लाभ या हानि या दोनों, यदि कोई हों, और विधित्त कंपनी के राजस्व प्राप्तियों या घाटा या क्षेप, यदि कोई हों, जब परिणामी कंपनी का अन्तिम होने है, ता वे परिणामी कंपनी के उत्तरदायित्व, लाभ या हानि और राजस्व आरक्षित या घाटे का लाभ रूप होंगे।

6. संविदाओं प्रादि की दृष्टि: इस आदेश में अनिवार्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, सभी संविदाएँ, विशेष अंतर्गत करार और अन्य लिखित चाहे वे किसी प्रकार की हों, जिसमें विधित्त कंपनी एक पक्षकार है, जो नियत दिन से ठीक पूर्व अस्तित्व में है या प्रभाव में है, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बाधमान और प्रभावी होंगे और उन्हें ऐसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रयुक्त किया जा सकेगा माना विधित्त कंपनी के बजाए परिणामी कंपनी उसमें एक पक्षकार था।

7. विधिक कार्यवाहियों की व्याख्या: यदि नियत दिन का, विधित्त कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन, प्रमाण या निष्पत्ति की अन्य विधिक कार्यवाही अस्तित्व में है या वह विधित्त कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अन्तरेत हो जाने के कारण या इस आदेश में अनिवार्य किसी बात के होते हुए भी उपस्थित नहीं होगी या उस वर नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार से उन पर कोई प्रभाव प्रभाव नहीं पड़ेगा। किन्तु ऐसा बात, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति में आर उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकती, अभियोजित और प्रमाण का जा सकती जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विधित्त कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकती या अभियोजित और प्रमाण का जा सकता था, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता।

8. कराधान की बात उपबंध: नियत दिन से पूर्व विधित्त कंपनी द्वारा किए गए कराधान के लाभों और अभियोगों (जिनके अंतर्गत संपत्ति हानियाँ और समामेलित अवशेष भी हैं) की बात सभी कर परिणामी कंपनी द्वारा उस सीमा के अधीन रहते हुए संदेय होंगे जैसे वे विधित्त कंपनी द्वारा तब संदेय होने जब यह आदेश नहीं किया गया होता।

9. विधित्त कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध:—विधित्त कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्णकालिक अधिकारी या अन्य कर्मचारी (विधित्त कंपनी के निदेशकों को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कंपनी का यथास्थित, अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और वह उसमें अपना पद या धपन

सेवा उसी अधिग्रहण के लिए और उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारियों के साथ धारण करेगा जो बहु, यदि यह आदेश नहीं किया गया होता, तो विघटित कंपनी के अधीन धारण करना और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता है या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तों पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिचित नहीं कर दी जाती है। ऐसे कर्मचारियों को जो प्रतिनियुक्ति पर हैं, प्रतिनित कर दिया जाएगा और स्वायत्त कर्मचारी नियुक्ती कंपनी द्वारा नियोजित किए जाएंगे। यदि बैजनाथ में स्थित संयंत्र लाभ पर परिचालित नहीं होता है तो दैनिक मजदूरी कर्मचारियों की सेवाओं को अविमुक्त कर दिया जाएगा।

10. निदेशकों की स्थिति: विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उम रूप में पद धारण किए गए हैं, नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेश नहीं रह जाएगा।

11. भविष्य निधि की सदस्यता: विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की स्कीम के अधीन जब कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे जिसके वे सदस्य हैं और हिमाचल प्रदेश स्टेट फारेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के नियत दिन से उन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत, उन्हीं दलों पर, जिन पर विघटित कंपनी द्वारा अधिदाय किया जाता था, उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजकों का अधिदाय करेगी और करती रहेगी।

12. हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का विघटन: इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए नियत दिन से हिमाचल प्रदेश स्टेट फूट पैकिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड विघटित हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उसी ऐसे निदेशक या अधिकारी की हैसियत में न तो कोई दावा करेगा न कोई मांग करेगा और न ही कोई कार्यवाही करेगा सिवाय वहां तक जहां कि इस आदेश के उपबंधों को प्रचलित करने के लिए आवश्यक हो।

13. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण:

केन्द्रीय सरकार, इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ को इस आदेश की एक प्रति भेजेगी, जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ परिणामी कंपनी द्वारा विहित फीस का संदाय किए जाने पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ अंतरक कंपनी से संबंधित रजिस्ट्रीकृत, अभिलिखित या उसके पास फाइल किए गए सभी दस्तावेज, हिमाचल प्रदेश स्टेट फारेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड जिसके साथ अंतरक कंपनी का समावेशन किया गया है, की फाइल में रखेगा और उन्हीं समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों की अपनी फाइल में रखेगा।

14. परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद: हिमाचल प्रदेश स्टेट फारेस्ट कार्पोरेशन लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद जिस रूप में नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से हो परिणामी कंपनी के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[मं. 24/22/89-सी एल (III)]

जेनेन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 2nd December, 1993

S.O. 931(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that for the purpose of securing the principal object of the Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited, a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at New Himrus Building, Cart Road, Shimla-171001 and for the purpose of securing the use of scarce resources of equipment personnel and material for ensuring co-ordination in policy and the efficient and economic expansion and manufacturing Fibre Board Sheets/Boxes and allied activities, it is essential in the public interest that Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited, a Company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its registered office at New Himrus Building Cart Road, Shimla-171001 and the said Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited, a wholly owned subsidiary of the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited should be amalgamated into a single company.

And whereas, a copy of the proposed Order was sent in draft to the aforesaid Companies, namely, Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited and the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited for its publication in two newspapers inviting objections/suggestions.

And whereas, the Scheme of amalgamation of the aforesaid companies was published in the two newspapers on 15th Nov. 1990 for inviting objections and suggestions; And whereas, no suggestions or objections have been received by the Central Government in regard to the Scheme of amalgamation from any person.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby makes the following order to provide for the amalgamation of the said two companies namely :—

1. Short title :—This order may be called the Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Limited and the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited (Amalgamation) Order, 1993.

2. Debentures :—In this order unless the context otherwise requires :—

(a) "appointed day" means the date on which this order is notified in the Official Gazette;

(b) "dissolved company" means the Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited;

(c) "Resulting Company" means the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited.

3. (a) The shareholding pattern as on 31st March, 1990 is as under :—

(i) Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited :—

Name of Shareholders	Number of equity Shares	Amount (Rs.)
Government of Himachal Pradesh and its nominees	1,50,000 shares of Rs. 1000/- each	15,00,00,000

(Out of total 150000 shares, 70000 equity shares are fully paid up at the rate of rupees 1000/- per share and 80,000 equity shares are partly paid at the rate of rupees six hundred per share).

(ii) Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited :—

Name of Shareholders	Number of equity Shares	Amount (Rs.)
Full owned by Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited the holding Company and nominee of Government of Himachal Pradesh.	2500 shares @ 1000/- each (all shares are fully paid up)	25,00,000

All the 2500 equity shares of 1000 each fully paid up in the Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited now held in the name of M/s. Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited including the nominees of the Government of Himachal Pradesh shall be cancelled.

Since the entire share capital of the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited is held in the name of Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited and nominee of the Government of Himachal Pradesh, the resulting company shall not be required to send any further notice to the persons, whose names appear immediately before the appointed day, in the Register of Members of the dissolved company.

4. Amalgamation of the Companies :—

(i) On and from the appointed day, the entire business and undertakings of Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited and Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited as where is, including all the properties, movable or immovable and other assets of whatsoever nature, e.g. machinery and all fixed assets, leases, tenancy rights, investments in shares or otherwise stock-in-trade, workshop tools, goods-in-transit, advances of monies of all kinds, book debts, outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description, but subject to all mortgages and charges and hypothecation guarantees and all rights whatsoever affecting the said properties of Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited, shall, without further act or deed, be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in

Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited in accordance with the law in force. On such vesting of all the properties hereinbefore referred to in the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited, all the 2500 equity shares of rupees one thousand each fully paid and held by Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited and nominee of Government of Himachal Pradesh stand cancelled.

(ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheet as on 31st March, 1990 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account, the dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 31st March, 1990 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation :—The undertaking of the dissolved company shall include all rights, powers, authorities and privileges and all property, movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interests and rights in or arising out of such property, as may belong to, or be in the possession of the dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

5. Transfer of certain items of Property :—For the purpose of this order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day and the revenue reserves or deficits, or both, if any, of the dissolved company, when transferred to the resulting company, shall respectively form part of the profit or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

6. Saving of contracts etc. :—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, bonds, agreements and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect, against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectually, as if, instead of the dissolved company, the resulting company had been a party thereto.

7. Saving of Legal Proceedings :—If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceeding of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of the dissolved company or of anything contained in this order, but the suit, prosecution, appeal or other legal proceeding may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company if this order had not been made.

8. Provision with respect to taxation :—All taxes in respect of the profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to the same extent as they would have been payable by the dissolved company if this order had not been made.

9. Provision respecting existing officers and other employees of the dissolved Company :—Every whole-time officer or other employee (excluding the directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall as from the appointed day, become an officer or other employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions and with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent. The employees, who are on deputation, are to be reverted back and permanent employees are to be taken over by the holding company. If the plant at Baijnath is not operated at a profit, services of daily waged workers shall be dispensed with.

10. Position of directors :—Every director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved company on the appointment day.

11. Membership of Provident Fund :—All officers and employees of the dissolved companies shall continue to be members of the Employees Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 of which they are members and Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited shall, with effect from the appointed day of publication of this order in the Official Gazette, make and continue to make

the employer's contributions to the said Employees Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

12. Dissolution of the Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited :—Subject to the other provisions of this order, as from the appointed day, the Himachal Pradesh State Fruit Packing Company Private Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claim demands or proceedings against the dissolved company or against a director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

13. Registration of the order by the Registrar of Companies :—The Central Government shall, as soon as may be after this order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Punjab, Himachal Pradesh and Chandigarh, a copy of this order on receipt of which the Registrar of Companies, Punjab, Himachal Pradesh and Chandigarh, shall register the order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order. Thereafter, the Registrar of Companies, Punjab, Himachal Pradesh and Chandigarh, shall forthwith include all documents registered, recorded or filed with him relating to the transferor company on the file of the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

14. Memorandum and Articles of Association of the resulting Company :—The Memorandum and Articles of Association of the Himachal Pradesh State Forest Corporation Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[No. 24/22/89-CL-III]

JAINDER SINGH, Jt. Secy.

